

बात मान लो रे. कान्हा ५५५ बेईमान
बात मान लो हो बात मान लो

रोज माखन चुराय गोल गप्पा सो खाय
मोहे ऊँठा दिखाय. आज जान लो रे
कान्हा बेईमान..... बात मान लो

होड़ सूने घर दोर मेघा करते हैं शोर
नाँचे वन के जो मोर. सखी ठान लो रे
कान्हा बेईमान.... बात मान लो

रंग पाये न पार श्याम भौरा उन्हार
खुदई फिरे द्वार-द्वार ये सैं ज्ञान लो रे
कान्हा बेईमान..... बात मान लो

दौला-हलिया-गोपाल पूँहो ओ के ने हाल
चले बिच्छू की चाल. मेरी मान लो रे
कान्हा बेईमान..... बात मान लो

करे चोरी में कमाल बची "श्री बाबा श्री" के जाल
आज पूँहो ने हाल. ईमान लो रे

कान्हा बेईमान.... बात मान लो....